सरगुजा विश्वविद्यालय, अम्बिकापुर (छ.ग.)

समाजशास्त्र विषय की अध्ययन बोर्ड की बैठक दिनांक 06.09.2017 का कार्यवाही विवरण

समाज विज्ञान संकायान्तर्गत समाजशास्त्र विषय की अध्ययन बोर्ड की बैठक विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सभाकक्ष में बुधवार दिनांक 06.09.2017 समय 12:00 मध्यान्ह आयोजित हुई।

पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम 2017–18

समाजशास्त्र

पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम निम्नानुसार निर्धारित किया जाता है।

1. **समाजशास्त्र** – प्रकृति, क्षेत्र, उद्देश्य, उपयोगिता उत्पति विकास, अन्य सामाजिक विज्ञान से संबंध, सामाजिक संरचना, समूह, सामाजीकरण
2. **कार्लमार्क्स** – वर्ग संघर्ष, अतिरिक्त मूल्य, ऐतिहासिक भौतिकवाद।
3. **इमाईल दुर्खिम** – प्रत्यक्षवाद, आत्महत्या, सामाजिक एकता।
4. **मैक्सवेबर** – सत्ता एवं नौकरशाही की अवधारणा।
5. **पैरेटो** – तार्किक एवं अतार्किक क्रिया, अभिजात वर्ग का परिभ्रमण।
6. **महात्मा गांधी** – सत्याग्रह, अंहिसा, संरक्षता का सिद्धान्त।
7. **रविन्द्र नाथ मुखर्जी**– मूल्य का सिद्धान्त।
8. **मानवशास्त्र** – मानवशास्त्र की उत्पति विकास, सामाजिक क्रिया, भारत की पारम्परिक संस्कृति में प्रभाव, आधुनिकीकरण, औद्योगिकीकरण, संस्कृतिकरण, लौकीकीकरण, नगरीकरण एवं संचार तकनीक का प्रभाव, पारम्परिक एवं आधुनिक शिक्षा, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठन (NGO)

9. **भारत में सामाजिक परिवर्तन** – प्रकृति, कारक–वैश्वीकरण, संस्कृतिकरण, मनोवैज्ञानिक, धर्म निरपेक्षीकरण, पूंजीवाद, गांधीवाद, अल्प संख्यक सामाजिक गतिशीलता।

10. **नगरीकरण** – कारक, परिवर्तन एवं प्रभाव (समस्याएँ) ग्रामीण समाजशास्त्र, ग्रामीण नगरीय सम्बंध, जनसंख्या, प्रवास, कृषक समाज, विस्थापन, भूमिपृथक्करण, हरित क्रांति, कृषक आंदोलन, परिवार, विवाह, जाति, वर्ग, धर्म, महिला आन्दोलन, घरेलु हिंसा, शिक्षित बेरोजगारी, युवा असन्तोष, पंचायती व्यवस्था, क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिकता, समाज एवं पर्यावरण प्रदूषण, स्वास्थ्य की समस्याएँ।

11. **सामाजिक विघटन** – कारण एवं परिणाम, अपराध की अवधारणा, कानूनी एवं समाजिक व्यवस्था प्रकार, कारण, परिणाम, महिला आन्दोलन, बाल अपराध, रक्त पोस अपराध, भ्रष्टाचार, दण्ड के सिद्धान्त, बन्दीगृह, पुलिस प्रशासन, मादक द्रव्य व्यसन, श्रम अधिनियम, प्रवजन, अपराध एवं अपराधियों के बदलते परिदृष्य।

12. **जनजाति अध्ययन** – उद्वेश्य एवं महत्ता, जाति एवं प्रजाति, वर्गीकरण, जनसंख्या, छत्तीसगढ़ की प्रमुख जनजातियाँ – गोड़, बैगा, कोरवा, बिरहोर, उराँव, कंवर, भील।

13. **जनजातीय प्रमुख समस्याएँ** – मानव तस्करी, जनजीय के लिए सरकारी एवं गैर सरकारी कल्याण योजनाएँ। इसाई, मिसनरियों का योगदान, जनजातीय आन्दोलन, महिला शसक्तिकरण एवं भारतीय समाज का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, वर्ण, धर्म, कर्म, आश्रम एवं पुरूषार्थ।

14. **दलितवादी परिप्रेक्ष्य** – अम्बेडकर के विचार, समाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण शोध की प्रकृति, उद्वेश्य, प्रमुख चरण एवं महत्व, उपकल्पना, अवलोकन, प्रश्नावली, साक्षात्कार, गुणात्मक प्रविधिया, व्यक्तिक अध्ययन पद्धति, अन्तर्वस्तु विश्लेषण सामाजिक शोध में सांख्यकी की – भूमिका महत्व सीमाएँ।